गरवी गुजरात

TITLE CODE:- UPHIN51504

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 228
दि. 19.12.2025,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

भातखंडे संस्कृति विवि अब जल्द ही अपने नए स्वरूप में नजर आएगा : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

(जीएनएस)।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय अब जल्द ही अपने नए स्वरूप में नजर आएगा, इसके लिए लगभग छह एकड़ भूमि प्रदान की गई है, जहां वैश्विक मानकों के अनुरूप नया परिसर विकसित किया जाएगा। इसमें आधुनिक ऑडिटोरियम, ओपन थिएटर, समृद्ध लाइब्रेरी और अन्य सुविधाएं होंगी। पुराने परिसर को संगीत और कला के संग्रहालय के रूप में विकसित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के तीन दिवसीय शताब्दी वर्ष समारोह का शुभारंभ किया। कलामंडपम प्रेक्षागृह में आयोजित समारोह में उन्होंने कहा कि राष्ट्र की आत्मा उसकी संस्कृति में होती है। जैसे किसी मनुष्य की आत्मा उसके शरीर से संबंध तोड़ देती है तो शरीर निस्तेज हो जाता है, उसी प्रकार राष्ट्र की संस्कृति को उससे अलग कर दिया जाए तो राष्ट्र निस्तेज हो जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्थान ने सौ वर्षों में भारतीय संगीत, नृत्य, नाट्य और ललित कलाओं को न केवल संरक्षित किया है, बल्कि उन्हें आधुनिक शैक्षणिक व्यवस्था से जोड़कर प्रतिष्ठित भी किया है। उन्होंने कहा कि एक संस्कृति कर्मी भी राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने आजमगढ़ के हरिहरपुर में स्थापित संगीत महाविद्यालय का उल्लेख करते हुए कहा कि विवि से संबद्ध महाविद्यालयों में छात्रों को मंच प्रदान करने और सांस्कृतिक चेतना के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सृष्टि का पहला स्वर ओंकार है। विज्ञान, अध्यात्म और संस्कृति भी नाद योग की पुष्टि करते हैं। भातखंडे संस्कृति विवि का विजन भी यही है कि नाद के अधीन पूरा जगत है। इस दौरान उन्होंने महाकुंभ का भी उल्लेख किया और कहा कि 66 करोड़ श्रद्धालुओं में सबसे ज्यादा युवा थे। कार्यक्रम में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, एमएलसी मुकेश शर्मा, इंजीनियर अवनीश कुमार सिंह, लालजी प्रसाद निर्मल, रामचंद्र प्रधान, पवन चौहान, विधायक नीरज बोरा, विधायक अम्बरीश कुमार, विशिष्ट अतिथि पद्म विभूषण डॉ. सोनल मानसिंह, कुलपति प्रो. मांडवी सिंह, प्रमुख सचिव संस्कृति विभाग अमृत अभिजात, कुलसचिव डॉ. सृष्टि धवन समेत कला जगत की विभूतियां मौजूद रहीं।

कॉफी टेबल बुक और विशेष

आवरण का विमोचन

मुख्यमंत्री ने शताब्दी वर्ष समारोह का उद्घाटन दीप प्रज्वलन और पंडित विष्णु नारायण भातखंडे की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण के साथ किया। इस अवसर पर सौ वर्षों की विकास यात्रा पर आधारित कॉफी टेबल बुक 'ए लिगेसी ऑफ एक्सिलेंस' का विमोचन हुआ। डाक विभाग द्वारा तैयार विशेष आवरण और विरूपण का भी विमोचन किया गया। साथ ही 'विकसित भारत @2047 के संदर्भ में भारतीय सांस्कृतिक परंपराएं एवं संगीत' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और शताब्दी यात्रा पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ।

इन पूर्व विद्यार्थियों को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री ने डॉ. पूर्णिमा पाण्डेय (कत्थक नृत्यांगना), पद्मश्री मालिनी अवस्थी (लोक संगीत गायिका), दिलराज कौर (संगीत गायिका) और केवल कुमार (संगीत संयोजक) को सम्मानित किया।

गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर की चिट्ठी का किया उल्लेख

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1940 में गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर ने एक पत्र जारी कर इस भातखंडे संस्थान को विश्वविद्यालय के रूप में संबोधित किया था। उन्होंने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि पंडित विष्णु नारायण भातखंडे की भावनाओं के अनुरूप इस संस्थान को विश्वविद्यालय का स्वरूप प्रदान किया जा सका। तत्कालीन राज्यपाल राम नाइक ने भातखंडे संस्थान को विवि का दर्जा दिलाने के विषय में उनसे संवाद किया था। वर्ष 2022 में सरकार ने इसे विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता दी। यह उत्तर प्रदेश का पहला संस्कृति विवि है।

विष्णु नारायण भातखंडे के योगदान को किया याद

मुख्यमंत्री योगी ने पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि वर्ष 1926 में देश औपनिवेशिक शासन के अधीन था। उस समय अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित थी और संगीत व कला के लिए मंच उपलब्ध नहीं थे लेकिन उस दौर में उन्होंने भारतीय संगीत को वैज्ञानिक आधार प्रदान किया। यह केवल शैक्षणिक नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति को आत्मसम्मान, आत्मगौरव और स्थायित्व देने का प्रयास था।

कुलपति बोलती कम हैं, लेकिन बेहतर परिणाम दिया

मुख्यमंत्री ने कुलपति प्रो. मांडवी सिंह की सराहना करते हुए कहा कि उनके द्वारा विश्वविद्यालय का कुलगीत और लोगो 'नादाधीनं जगत' थीम पर आधारित किया गया, जिसका अर्थ है-पूरा जगत नाद के अधीन है। यह जीवन की सच्चाई को दर्शाता है। इस दौरान जब सीएम ने कहा कि कुलपति बोलती कम हैं लेकिन विवि के विकास में उन्होंने बेहतर परिणाम दे दिया।

विशिष्ट अतिथि पद्म विभूषण व पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. सोनल मानसिंह ने कला साधकों को काक चेष्टा बको ध्यानं, श्वान निद्रा तथैव च... का पालन करने की सलाह दी।

उप राष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन भारतीय कैथोलिक बिशप सम्मेलन द्वारा आयोजित क्रिसमस समारोह में शामिल हुए

उप राष्ट्रपति ने क्रिसमस को शांति और करुणा का उत्सव बताया

उप राष्ट्रपति ने कहा कि प्रभु यीशु मसीह का संदेश भारत की आध्यात्मिक भावना से मेल खाता है

उप राष्ट्रपति ने भारत की सामाजिक, सांस्कृतिक और विकास यात्रा में ईसाई समुदाय के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की

उप राष्ट्रपति ने कहा, "भारत की एकता एकरूपता में नहीं, बल्कि आपसी सम्मान और साझा मूल्यों में निहित है, जो 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' को बढ़ावा देते हैं"

(जीएनएस)।

उप राष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली में कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया (सीबीसीआई) द्वारा आयोजित क्रिसमस समारोह में भाग लिया और त्योहार से पहले ईसाई समुदाय को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दीं।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि क्रिसमस शांति, करुणा, विनम्रता और मानवता की सेवा जैसे सार्वभौमिक मूल्यों का उत्सव है। उन्होंने कहा कि प्रभु यीशु मसीह द्वारा सिखाए गए प्रेम, सद्भाव और नैतिक साहस का संदेश शाश्वत प्रासंगिकता रखता है और भारत की आध्यात्मिक परंपराओं से गहराई से जुड़ा हुआ है, जो सह अस्तित्व, करुणा और मानवीय गरिमा के सम्मान पर जोर देती हैं।

भारत में ईसाई धर्म की लंबी उपस्थिति को याद करते हुए, उप राष्ट्रपति ने भारत की सामाजिक, सांस्कृतिक और विकास यात्रा में ईसाई समुदाय के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, सामाजिक सुधार और मानव विकास में समुदाय के निरंतर कार्यों की सराहना की, जो देश के सुदूरतम क्षेत्रों तक भी पहुंचे हैं और इसे राष्ट्र निर्माण का अभिन्न अंग बताया।

प्रधानमंत्री पारंपरिक चिकित्सा पर विश्व स्वास्थ्य संगठन के दूसरे वैश्विक शिखर सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित करेंगे

प्रधानमंत्री माय आयुष इंटीग्रेटेड सर्विसेज पोर्टल लॉन्च करेंगे, प्रधानमंत्री आयुष उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता के लिए एक वैश्विक बेंचमार्क आयुष मार्क का भी शुभारंभ करेंगे,

प्रधानमंत्री वर्ष 2021-2025 के लिए योग के प्रचार और विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित करेंगे,

प्रधानमंत्री दिल्ली में डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्रीय कार्यालय परिसर का उद्घाटन करेंगे, शिखर सम्मेलन का विषय "संतुलन की पुनर्स्थापनाः स्वास्थ्य और कल्याण का विज्ञान और अभ्यास" है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 19 दिसंबर, 2025 को शाम 4:30 बजे भारत मंडपम,

रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता मापनीय एवं विश्वसनीय वास्तविकता के रूप में उभर रही है: श्रीपाद नाइक

संरचनात्मक सुधार, रिकॉर्ड रक्षा उत्पादन एवं निर्यात ने देश को आयातक से वैश्विक रक्षा निमार्ता बनाया

(जीएनएस)।

केंद्रीय विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्री श्रीपाद येसो नाइक ने आज नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी एवं दृढ़ नेतृत्व ने निर्णायक आकार प्रदान किया है। राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक शक्ति एवं तकनीकी संप्रभुता के बीच गहरे अंतसंबंध को स्पष्ट बनाने से रक्षा विनिर्माण एक रणनीतिक आवश्यकता से राष्ट्रीय मिशन बन चुका है।

मंत्री ने कहा कि देश ने आत्मविश्वास के साथ रक्षा उपकरणों का प्रमुख आयातक से एक ऐसे राष्ट्र में रूपांतरित हुआ है जो उन्नत रक्षा प्रणालियों को डिजाइन, विकसित, निर्माण एवं निर्यात करता है और मजबूत, सुरक्षित एवे आत्मविश्वास से भरे वैश्विक शक्ति के रूप में भारत के उदय में रक्षा आत्मनिर्भरता को एक मजबूत आधार प्रदान करता है।

उन्होंने आगे कहा कि रक्षा क्षेत्र आयात पर निर्भरता से स्वदेशी क्षमता की ओर संरचनात्मक रूप से परिवर्तित हुआ है, जो आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया से मेक फॉर द वर्ल्ड के दृष्टिकोण में निहित है। इस प्रगति के मद्देनजर, रक्षा मंत्रालय ने 2025 को 'सुधारों का वर्ष' घोषित किया है, जो सशस्त्र बलों की परिचालन तत्परता को बढ़ावा देने के साथ-साथ रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण की तीव्र प्रगति को परिलक्षित करता है।

श्री नाइक ने कहा कि रक्षा उत्पादन वित्त वर्ष 2024-25 में 1.54 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो 2014-15 में 46,429 करोड़ रुपये था, यह भारत के स्वदेशी रक्षा विनिर्माण आधार के स्तर, गहराई एवं परिपक्वता को दशार्ता है। रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 में रिकॉर्ड 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जबकि 2014 में यह 1,000 करोड़ रुपये से कम था। यह भारत के एक विश्वसनीय एवं प्रतिस्पर्धी वैश्विक रक्षा आपूर्तिकर्ता बनने की दिशा में अग्रसर होने को रेखांकित करता है। भारत ने लगभग 80 देशों को गोला-बारूद, हथियार, उप-प्रणालियां, संपूर्ण प्रणालियां और महत्वपूर्ण घटक सहित रक्षा उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला की आपूर्ति की है जो वैश्विक रक्षा आपूर्ति श्रृंखला में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में इसकी भूमिका को पुनः पुष्टि करता है।

उन्होंने आगे कहा कि रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र का योगदान लगभग 23 प्रतिशत तक बढ़ गया है, जो भारतीय उद्योग की बढ़ती प्रतिस्पर्धा, नवाचार एवं आत्मविश्वास को दशार्ता है, जबकि रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम अभी भी एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं और ज्यादा जवाबदेह एवं प्रदर्शन-उन्मुख संरचना में कुल रक्षा उत्पादन का लगभग 77 प्रतिशत योगदान दे रहे हैं। पांच सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियां, जो 5,500 से अधिक वस्तुओं को कवर करती हैं, अधिसूचित की गई है, जिनमें से 3,000 से अधिक वस्तुओं का पहले ही स्वदेशीकरण किया जा चुका है, जिससे आयात निर्भरता निर्णायक रूप से कम हुई है और घरेलू क्षमता मजबूत हुई है।

मंत्री जी ने कहा कि एलसीए तेजस, एलसीएच प्रचंड, एटीएजीएस, आकाश मिसाइल प्रणाली, रडार, युद्धपोत, बख्तरबंद वाहन और ड्रोन जैसे स्वदेशी प्लेटफॉर्म सशस्त्र बलों की परिचालन तत्परता एवं युद्ध क्षमता में महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा दे रहे हैं। स्वदेशी उपकरणों एवं प्रणालियों के समर्थन से निष्पादित ऑपरेशन सिंदूर ने ड्रोन युद्ध, स्तरीय वायु रक्षा और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की यात्रा में एक मील का पत्थर साबित किया है, जो आत्मनिर्भरता के परिचालन महत्व को स्पष्ट करता है।

सरकार पूरे भारत में कैंसर देखभाल, अनुसंधान और किफायती उन्नत उपचारों को बढ़ा रही है: डॉ. जितेंद्र सिंह

संसद में डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि कैंसर देखभाल को चुनिंदा उत्कृष्टता से सार्वभौमिक पहुंच में बदला जा रहा है

टाटा मेमोरियल सेंटर में लगभग 60% कैंसर रोगियों का इलाज मुफ्त या मामूली कीमत पर किया जाता है: डॉ. जितेंद्र सिंह

कैंसर के बढ़ते मामले वैश्विक प्रवृत्ति है; शुरूआती पहचान से कई कैंसर ठीक हो सकते हैं: डॉ. जितेंद्र सिंह

(जीएनएस)।

देश में कैंसर के बढ़ते बोझ पर संसद में कई प्रश्नों के उत्तर में विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान और प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज कैंसर की रोकथाम, निदान, उपचार, अनुसंधान और विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए वहनीयता को मजबूत करने के लिए सरकार की बहुआयामी, भविष्य के लिए तैयार रणनीति की जानकारी दी।

मंत्री ने अस्पताल में भर्ती, कैंसर के बढ़ते मामले, दवाओं की सामर्थ्य, टीके, वैश्विक सहयोग और उन्नत परमाणु उपचार तक पहुंच से संबंधित चिंताओं को दूर किया। उन्होंने कहा कि सरकार अनुसंधान, प्रौद्योगिकी और सार्वजनिक स्वास्थ्य एकीकरण द्वारा संचालित कैंसर देखभाल को चुनिंदा उत्कृष्टता से सार्वभौमिक पहुंच में बदल रही है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने स्वीकार किया कि कैंसर रोगियों और उनके परिवारों को अक्सर अस्पताल में भर्ती के दौरान भावनात्मक और लॉजिस्टिकल तनाव का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रवेश प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने की दिशा में काम कर रही है, साथ ही तृतीयक अस्पतालों पर रेफरल दबाव को कम करने के लिए जिला स्तर पर कैंसर विज्ञान सुविधाओं का विस्तार कर रही है।

मंत्री ने बताया कि 2014 से देश भर में 11 टाटा मेमोरियल सेंटर अस्पताल स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही 300 से ज्यादा अस्पतालों को कवर करने वाला नेशनल कैंसर केयर ग्रिड भी बनाया गया है, जो मरीजों के घरों के पास स्टैंडर्ड और आसानी से मिलने वाली कैंसर सेवाएं सुनिश्चित करता है। नवी मुंबई में प्लेटिनम ब्लॉक सहित बड़े विस्तार कार्य भी चल रहे हैं।

कैंसर के बढ़ते मामलों पर चिंताओं को दूर करते हुए, डॉ. सिंह ने कहा कि यह बढ़ोतरी ग्लोबल घटना है। इसके लंबी उम्र, पर्यावरणीय कारक, जीवनशैली में बदलाव और गैर-संक्रामक बीमारियों की जल्दी शुरूआत जैसे कारण हैं।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस वर्ष राज्य सरकार के विभागों द्वारा बजट अंतर्गत किए गए खर्च की सर्वग्राही समीक्षा बैठक आयोजित की

मुख्यमंत्री का विभागों को और अधिक सुदृढ़ आयोजन द्वारा निर्धारित प्रक्रिया समय पर पूर्ण करने का सुझाव

अर्बन डेवलपमेंट द्वारा गठित क्वॉलिटी सेल की तरह अन्य विभागों को भी क्वॉलिटी एश्योरेंस के लिए कदम उठाने के दिशा-निर्देश

गांधीनगर,18 दिसंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को गांधीनगर में उच्च स्तरीय बैठक आयोजित कर इस वर्ष 2025-26 के बजट अंतर्गत राज्य सरकार के सभी विभागों द्वारा नवंबर 2025 तक किए गए खर्च की समीक्षा की।

श्री पटेल ने इस समीक्षा के दौरान विभागों द्वारा 30 नवंबर 2025 तक बजट अंतर्गत किए गए खर्च की तुलनात्मक समीक्षा करते हुए पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष के बजटीय प्रावधान के समक्ष खर्च में हुई वृद्धि पर संतोष व्यक्त किया।

इतना ही नहीं; उन्होंने सभी विभागों को उनका आयोजन अधिक सुदृढ़ करके निर्धारित प्रक्रिया समय पर पूर्ण हो एवं आगामी वर्ष की पहली तिमाही में खर्च में अधिक सुधार हो; इसके लिए भी दिशा-निर्देश दिए।

इस बैठक में वित्त मंत्री श्री कनुभाई देसाई, परिवहन तथा वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री श्री प्रवीणभाई माळी, मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार डॉ. हसमुख अढिया, मुख्य सचिव श्री एम. के. दास, मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री एस. एस. राठौड़, सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और सचिव सहभागी हुए। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने बजट आवंटन के समक्ष राज्य सरकार के विभागों द्वारा हुए खर्च की समीक्षा कर आवश्यक मार्गदर्शन देने के लिए शुरू किए गए उपक्रम में आयोजित पूर्व की बैठक में हुए सुझावों के संदर्भ में खर्च की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में विभागों द्वारा उठाए गए कदमों की सर्वग्राही समीक्षा भी की। उन्होंने विशेषकर इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए सिस्टमैटिक टेस्टिंग तथा क्वॉलिटी मॉनिटरिंग करने का सुझाव देते हुए दिशा-निर्देश दिए कि यदि ऐसे प्रोजेक्ट्स में कोई भी विसंगति ध्यान में आए, तो उस पर कड़े कदम उठाए जाएँ।

सम्पादकीय

बांग्लादेश में भारत के प्रति बढ़ती नफरत

भारत और बांग्लादेश के संबंध जबरदस्त वूटनीतिक चुनौतियों से गुजर रहे हैं। बुधवार देर शाम को नईं दिल्ली स्थित बांग्लादेश के उच्चायुक्त को विदेश मंत्रालय में बुलाकर दो टूक बता दिया गया है कि ढाका में भारतीय उच्चायोग की सुरक्षा आपकी यानि बांग्लादेश सरकार की जिम्मेदारी है। उनसे यह भी बता दिया गया है कि भारत बांग्लादेश के हर उकसावे को नजरंदाज भले ही कर रहा है किन्तु उसे गंभीरता से लेता है। दरअसल 15 दिसम्बर को बांग्लादेश के नेशनल सिटीजन पाटा यानि एनसीपी के नेता हसनत अब्दुल्ला ने ढाका के सेंट्रल शहीद मीनार में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए भारत को धमकी दी कि "मैं भारत को स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि अगर आप उन ताकतों को शरण देते हैं जो बांग्लादेश की संप्राभुता, क्षमता, मताधिकार और मानवाधिकारों का सम्मान नहीं करते, तो बांग्लादेश भारत के सभी सात पूवरेत्तर राज्यों को अलग करने के लिए अलगाववादियों को शरण देगा।" यह अब्दुल्ला प्राधानमंत्री पद से शेख हसीना को हटाने वालों में प्रामुख हैं। वह हसीना को भारत द्वारा दिए गए आश्रय पर नाराजगी व्यक्त कर रहा था। असल में गत वर्ष जबसे बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार को अपदस्थ करके देश में कट्टरपंथी तत्वों द्वारा समर्थित तत्वों की सरकार बनी है, उसने भारत के खिलाफ खुराफात शुरू कर दी है। शेख हसीना जब तक सत्ता में थी, तब तक बांग्लादेश की कट्टरपंथी ताकतों खासकर जमायत-ए-इस्लाम को नियंत्रित कर रखा था। किन्तु अंतर्राष्ट्रीय साजिश करके जैसे ही शेख हसीना को सत्ता से हटाया, बांग्लादेश के कट्टरपंथियों ने भारत के सात पूवरेत्तर राज्यों अरुणाचल प्रादेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा को शेष भारत से अलग करने की खुलेआम धमकी देना शुरू कर दी है। सच तो यही है कि भारत विरोधी ताकतों के मस्तिष्क में यह बात पहले से भ्रम ग्रांथि के रूप में विद्यामान है कि यदि भारत को ब्लैकमेल करना हो अथवा उसे सौदेबाजी के लिए तैयार करना है तो सेवन सिस्टर्स को अलग करने का डर दिखाना जरूरी होगा। हसनत की सनक देखिए, वह भारत को झुकाने के लिए पूवरेत्तर के सभी सातों राज्यों को अलग करने की धमकी भारत को दे रहा है! उसका कोई भी उचित तर्व नहीं है जिससे कि पता चले कि भारत के प्राति उसकी ईर्ष्या और शत्रुता का कारण वैध है! मात्र भारत को अपनी प्रासंगिकता का बोध कराने की छटपटाहट में कभी-कभी विघ्न संतोषी बांग्लादेश से ऐसी खुराफाती आवाज उठा ही देते हैं। इस तरह के सनकी नेताओं की षडांत्रकारी धमकी से भारत डरता भी नहीं हैं क्योंकि बांग्लादेश की घिग्घी तो कभी भी बंद की जा सकती है, डर मात्र इस बात का बना रहता है कि उन्मादी भीड़ ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग को क्षति न पहुंचा दे! बांग्लादेश शेख हसीना के शासनकाल में सेक्युलर होने का दावा कर रहा था क्योंकि मजहबी उन्मादी और हिसक उग्रावादी संगठन या तो देश में रहकर गुमनाम हो गए थे अथवा उन्होंने नए संगठन बनाकर खुद को राष्ट्र की मुख्यधारा में जोड़ने का दिखावा कर लिया था। उन्होंने कभी भी बांग्लादेश को सेक्युलर स्टेट स्वीकार किया ही नहीं था। अब उन्हें अवसर मिला है क्योंकि हिफाजते इस्लाम, बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी (बीजेआई), इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश (आईएबी), इस्लामी ओइक्या जोते (आईओजे), बांग्लादेश तरीकत पेडरेशन (बीटीएफ) जैसी घोर सांप्रादायिक पार्टियां बांग्लादेश को इस्लामिक रिपब्लिक बनाने के लिए आतुर हैं। इन्हें पाकिस्तान की जमायत-ए-इस्लामी के माध्यम से आईएसआई की तरफ से वित्तीय सहायता तो मिलती ही है साथ ही बांग्लादेश को पाकिस्तान की तरह मजहबी कट्टरपंथी राष्ट्र बनाने की प्रोरणा भी मिलती है। पाकिस्तान इन दिनों बांग्लादेश के कट्टरपंथी तत्वों को अनुकरणीय लग रहा है। यही कारण है कि वे तो यह चाहते हैं कि भारत उससे संपर्व बिल्वुल सीमित कर ले। यही कारण है कि आए दिन ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग पर हमले होते रहते हैं। भारत ने इन दिनों बांग्लादेशियों को वीजा देना बंद कर दिया है। जब आए दिन खुराफाती ढाका स्थित वीजा सेंटर पर हमले करते हैं तो सुरक्षा कारणों से अस्थाईं रूप से वीजा कार्यालय को बंद कर दिया गया।

AB PMJAY-MA अंतर्गत लाभार्थियों को दावों का भुगतान करने में गुजरात प्रथम स्थान पर

अटल नेतृत्व, अविरत विकास

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना - मुख्यमंत्री अमृतम (AB PMJAY-MA) अंतर्गत गुजरात में 1 करोड़ से अधिक परिवारों को समाविष्ट किया गया

ऑल इंडिया सर्विसेज (एआईएस) तथा राज्य सरकार के अधिकारियों, पेंशनभोगियों को अइ ढटखअ-टअ योजना का लाभ लेने के लिए 'कर्मयोगी स्वस्थ सुरक्षा योजना', जी कैटेगरी अंतर्गत लगभग 6.40 लाख लाभार्थियों का पंजीकरण

गांधीनगर, 18 दिसंबर : गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री तथा भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरातियों के स्वास्थ्य में गुणवत्तापूर्ण सुधार लाने के उद्देश्य से 'स्वस्थ गुजरात, समृद्ध गुजरात' का मंत्र दिया था। आज मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात ने सुनिश्चित किया है कि स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ सुदूरवर्ती मानव तक पहुँचे और कोई व्यक्ति चिकित्सा सुविधाओं से वंचित न रहे। समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को चिकित्सा उपचार के लिए आर्थिक सहायता देने वाली केन्द्र सरकार की सबसे बड़ी योजना है आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, जिसे गुजरात सरकार की मुख्यमंत्री अमृतम योजना के साथ जोड़ा गया है।

संयुक्त रूप से आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना झ मुख्यमंत्री अमृतम (AB PMJAY-MA) अंतर्गत राज्य के 1,20,14,556 परिवारों को समाविष्ट किया गया है।

इसके अलावा; जुलाई-2023 में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में AB PMJAY-MA अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा प्रति परिवार वार्षिक बीमा राशि 5 लाख रुपए से बढ़ाकर 10 लाख रुपए की गई है।

यह बात दशार्ती है कि गुजरात ने स्वास्थ्य सुविधाओं को अधिक मजबूत तथा सुलभ बनाया है, जो राज्य में सुशासन का उत्तम उदाहरण है।

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के क्रियान्वयन को लेकर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल कहते हैं, 'प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत आयुष्मान कार्ड देकर गरीब एवं मध्यम वर्ग को स्वास्थ्य सुरक्षा कवच प्रदान किया है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में आज समाज को निरामय रखने के लिए हमने गुजरात में योग से आयुष्मान तक की परियोजनाएँ लागू की हैं। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत हमने 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता बढ़ाकर 10 लाख रुपए की है। इस योजना से गरीब एवं सुदूरवर्ती क्षेत्रों में भी लोगों को गंभीर बीमारियों में निःशुल्क उपचार मिल रहा है। आज सरकारी अस्पतालों में भी उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हैं। स्वस्थ समाज तथा स्वस्थ गुजरात के

माध्यम से प्रधानमंत्री के विकसित भारत@2047 के लक्ष्य को हम साकार करेंगे।'

AB PMJAY-MA अंतर्गत आर्थिक सहायता 5 लाख रुपए से बढ़ाकर 10 लाख रुपए होने से प्रीमियम राशि में वृद्धि

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना - मुख्यमंत्री अमृतम (AB PMJAY-MA) अंतर्गत जब 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती थी, तब 1 जुलाई 2021 से 10 जुलाई 2022 तक प्रति परिवार प्रीमियम राशि 2177.10 रुपए थी और उस समयावधि के दौरान कुल वित्तीय खर्च 1681.20 करोड़ रुपए हुआ था। इसके बाद 11 जुलाई, 2022 से 10 जुलाई, 2023 के दौरान प्रीमियम राशि 1492 रुपए थी, जिस दौरान कुल वित्तीय खर्च 1363.52 करोड़ रुपए हुआ था।

10 जुलाई 2023 को राज्य सरकार द्वारा योजनांतर्गत देय आर्थिक सहायता 5 लाख रुपए से बढ़ाकर 10 लाख रुपए की गई, जिससे प्रीमियम राशि बढ़कर प्रति परिवार 3708 रुपए हुई है। कुल वित्तीय खर्च की बात करें, तो 11 जुलाई 2023 से 10 जुलाई 2024 के दौरान कुल वित्तीय खर्च 2676.26 करोड़ रुपए, जबकि 11 जुलाई 2024 से 10 जुलाई 2025 के दौरान कुल वित्तीय खर्च 3210.03 करोड़ रुपए हुआ है।

AB PMJAY-MA योजना अंतर्गत राज्य में कुल 2090 अस्पताल एम्पैनल्ड हैं, जिनमें 1132 सरकारी तथा 958 निजी अस्पताल हैं। इस योजनांतर्गत नवंबर 2025 तक कुल 2299 प्रोसीजरों तथा 50 एसआरएस प्रोसीजरों को समाविष्ट किया गया है। उल्लेखनीय है कि इस योजना अंतर्गत लाभार्थियों के दावों का भुगतान करने में गुजरात राज्य प्रथम स्थान पर है।

राज्य सरकार के सभी कर्मयोगियों तथा पेंशनभोगियों के लिए 'कर्मयोगी स्वस्थ सुरक्षा योजना'

गुजरात सरकार द्वारा मई 2025 में राज्य के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों तथा पेंशनभोगियों के लिए गुजरात कर्मयोगी स्वस्थ सुरक्षा योजना शुरू की गई है, जिसके तहत राज्य के फिक्स पे कर्मचारियों के अलावा ऑल इंडिया सर्विसेज (एआईएस) के अधिकारियों व पेंशनभोगियों तथा राज्य सरकार के अधिकारियों, कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और उनके आश्रित परिजनों को भी अइ ढटखअ-टअ अंतर्गत कैशलेस चिकित्सा उपचार का लाभ दिया जाता है। गुजरात कर्मयोगी स्वस्थ योजना के तहत राज्य सरकार के सभी कर्मयोगियों तथा पेंशनभोगियों को जी सीरिज का अइ-ढटखअ-टअ कार्ड दिया जाता है। जी कैटेगरी अंतर्गत कुल लगभग 6.40 लाख लाभार्थी हैं।

66 वर्षीय फारुकभाई को हृदय रोग के उपचार के लिए अइ ढटखअ-टअ अंतर्गत मिली 5,24,040 रुपए की आर्थिक सहायता

अहमदाबाद निवासी 66 वर्षीय फारुकभाई खिमाणी एक जनरल स्टोर चलाते हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति बहुत साधारण है। फारुकभाई को हृदय में दर्द होने के बाद यूएन मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर लाया गया। उनकी ईसीजी रिपोर्ट कराई गई, जिससे कोरोनरी आर्टरी डिसीज का निदान हुआ। उन्हें हृदय की सर्जरी कराने की सलाह दी गई थी, जिसके लिए बहुत खर्च होने की संभावना थी। इस समय उनकी सहायता में आई प्रधानमंत्री जन आरोग्य झ मा अमृतम योजना (ढटखअ-टअ), जिसके तहत उन्हें राज्य सरकार द्वारा 5,24,040 रुपए की आर्थिक सहायता दी गई। मई 2025 में ढटखअ-टअ योजना अंतर्गत सहायता से फारुकभाई की कोरोनरी एंजियोग्राफी तथा उसके बाद कोरोनरी आर्टरी बाईपास ग्राफ्टिंग (सीएबीजी) की सर्जरी की गई। इसके बाद हाल ही में यानी दिसंबर 2025 में ही उन्हें साँस लेने में दिक्कत होने पर यूएन मेहता अस्पताल में फिर से भर्ती कराया गया और वहाँ उनकी सीआरटी-पी इम्प्लांट की सफल सर्जरी की गई है। हाल में उनका स्वास्थ्य बहुत अच्छा है और वे राहत का अनुभव कर रहे हैं। फारुकभाई कहते हैं, 'प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना मेरे और मुझ जैसे मरीजों के लिए बहुत सहायक हो रही है। राज्य के गरीब तथा मध्यम वर्ग के लोगों को श्रेष्ठ चिकित्सा सुविधाओं के लिए सरकार ने यह योजना लागू की, जिसके लिए प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री का बहुत धन्यवाद !'

जी राम जी क्या है? कितना मिलेगा पैसा? क्या मनरेगा खत्म हो गया?

मनरेगा का नाम बदल गया है, लेकिन सवाल लोगों के मन में कई हैं। सरकार ने जिस नए कानून को मंजूरी दी है, उसका नाम है विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) जिसे संक्षेप में VB G RAM G Bill कहा जा रहा है।

संसद में इसे लेकर बहस भी हुई और 'वी बी जी राम जी बिल' 18 दिसंबर को लोकसभा में पास कर दिया गया है। ऐसे में आम लोगों के लिए यह समझना जरूरी है कि जी राम जी आखिर है क्या, इसमें मजदूरी कितनी मिलेगी और मनरेगा से यह कितना अलग है। आइए जानें जी राम जी से जुड़े हर सवाल का जवाब।

VB G RAM G Bill 2025 को सरकार ग्रामीण रोजगार नीति का नया अध्याय बता रही है। मनरेगा की जगह अब एक ऐसी योजना लाई गई है, जो रोजगार के साथ-साथ गांवों के विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर और आजीविका पर फोकस करती है। इस बिल के कानून बनते ही मनरेगा पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा।

▶ VB G RAM G Bill का फुल फॉर्म क्या है?

VB G RAM G का पूरा नाम यानी फुल फॉर्म है -विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)। अंग्रेजी में इसे Viksit Bharat Guarantee for Rozgar and Ajeevika Mission Gramin कहा गया है। सरल शब्दों में कहें तो यह ग्रामीण इलाकों में रोजगार और आजीविका की गारंटी देने वाली नई सरकारी योजना है।

मनरेगा की जगह 'जी राम जी' बिल लोकसभा में पास, रोजगार में आएंगे ये 10 बदलाव

मनरेगा की जगह 'जी राम जी' बिल लोकसभा में पास, रोजगार में आएंगे ये 10 बदलाव

▶ जी राम जी क्या है?

वीबी जी राम जी असल में मनरेगा का नया रूप है। सरकार ने मनरेगा की जगह नए नाम, नए ढांचे और नए नियमों के साथ पेश किया है। यह योजना सीधे विकसित भारत 2047 के लक्ष्य से जुड़ी है, जिसमें गांवों को सिर्फ मजदूरी देने की जगह लंबे समय के विकास से जोड़ा गया है।

बिल में दर्ज उद्देश्य के मुताबिक बीते करीब दो दशकों में मनरेगा ने ग्रामीण परिवारों को काम देकर उनकी आय को सहारा दिया। लेकिन समय के साथ गांवों की सामाजिक और आर्थिक तस्वीर बदली है, ऐसे में इस व्यवस्था को नए सिरे से ज्यादा प्रभावी और मजबूत बनाने की जरूरत महसूस की गई।

नए कानून में यह प्रावधान किया गया है कि जो भी ग्रामीण परिवार बिना कौशल वाला श्रम करने को इच्छुक होगा, उसे हर साल 125 दिन तक वेतन वाला रोजगार दिया जाएगा।

मनरेगा का नाम क्यों बदला गया?

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संसद में कहा कि मनरेगा का नाम पहले सिर्फ नरेगा था। 2009 के चुनाव से पहले इसमें महात्मा गांधी का नाम जोड़ा गया। सरकार का कहना है कि अब रोजगार योजना को एक नए विजन के साथ लाया गया है, जिसमें विकसित गांव, गरीबी मुक्त गांव और रोजगार युक्त गांव की सोच है। इसी वजह से नया नाम और नया कानून लाया गया है।

मनरेगा गया, 'जी राम जी' आया! नाम के साथ क्या-क्या बदला? रोजगार के नियम, खर्च से जुड़े 5 सवाल-जवाब

कितने दिन का रोजगार मिलेगा?

सबसे बड़ा बदलाव यही है। मनरेगा में जहां 100 दिन की रोजगार गारंटी थी, वहीं अब 125 दिन की गारंटी दी गई है। हालांकि खेती के मौसम को ध्यान में रखते हुए बोआई और कटाई के समय करीब 60 दिन काम नहीं मिलेगा। बाकी बचे दिनों में पूरे 125 दिन का रोजगार देने का दावा किया गया है।

▶ जी राम जी में मजदूरी कितनी मिलेगी?

इस बिल में मजदूरी के लिए कितना पैसा मिलेगा, इसकी फाइनल दर तय नहीं की गई है। कानून में कहा गया है कि मजदूरी की दरें केंद्र सरकार अधिसूचित करेगी। फिलहाल उम्मीद जताई जा रही है कि नई योजना में मजदूरी मनरेगा से ज्यादा हो सकती है।

मनरेगा के तहत अभी मजदूरी राज्यों के हिसाब से ₹200 से ₹400 प्रतिदिन के बीच रहती है और पैसा सीधे बैंक खाते में आता है। जैसे हरियाणा में ₹357 और मध्य प्रदेश/छत्तीसगढ़ में ₹221 दिए जाते थे। हालांकि ये अलग-अलग राज्यों में अलग हो सकता है।

सबसे बड़ा अंतर क्या है?

कई अहम फर्क हैं।

पहला, मनरेगा का नाम बदलकर अब VB G RAM G कर दिया गया है।

दूसरा, रोजगार की गारंटी 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है।

तीसरा, मनरेगा में मजदूरी का पूरा पैसा केंद्र देता था, लेकिन अब राज्यों को भी खर्च उठाना होगा। कुछ राज्यों में 10 प्रतिशत और कुछ में 40 प्रतिशत तक हिस्सेदारी होगी।

चौथा, खेती को प्राथमिकता देने के लिए काम के दिनों में ब्रेक तय किया गया है।

इस वी बी जी राम जी योजना में पैसा कहां से आएगा?

VB G RAM G अब केंद्र प्रायोजित योजना है। ज्यादातर राज्यों में खर्च का बंटवारा 60:40 होगा। पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों के लिए यह अनुपात 90:10 रखा गया है। कुल अनुमानित खर्च करीब 1.51 लाख करोड़ रुपये सालाना बताया गया है।

वी बी जी राम जी के योजना के तहत कौन से काम होंगे?

सरकार ने चार प्राथमिक क्षेत्र तय किए हैं।

पहला, पानी से जुड़े काम जैसे जल संरक्षण और सिंचाई।

दूसरा, गांवों की बुनियादी सुविधाएं जैसे सड़क और कनेक्टिविटी।

तीसरा, आजीविका से जुड़े काम जैसे भंडारण और बाजार।

चौथा, मौसम आपदाओं से निपटने वाले काम।

▶ द9. जी राम जी में मजदूरी समय पर न मिली तो क्या होगा?

अगर 15 दिन के भीतर काम नहीं मिलता है, तो बेरोजगारी भत्ता देने का प्रावधान रखा गया है। इसकी जिम्मेदारी राज्य सरकारों की होगी और नियम अलग से बनाए जाएंगे।

▶ द10. क्या जी राम जी योजना किसानों के लिए भी फायदेमंद है?

सरकार का दावा है कि इससे किसानों को खेती के मौसम में मजदूरों की कमी नहीं होगी। काम रोकने की व्यवस्था से खेती प्रभावित नहीं होगी और गांव में स्थायी संपत्तियां बनेंगी।

▶ क्या मनरेगा पूरी तरह बंद हो जाएगी?

हां, मनरेगा को अब पूरी खत्म कर दिया जाएगा। मनरेगा की जगह ही नया बिल लाया गया है। बिल में साफ तौर पर कहा गया है कि साल 2005 का MGNREGA कानून रद्द किया जाएगा। मतलब यह कि जैसे ही नया कानून लागू होगा, उसके बाद ग्रामीण रोजगार के लिए केवल VB G RAM G ही प्रभावी रहेगा।

VB G RAM G नया कानून कब लागू होगा और पुराने जॉब कार्ड का क्या बनेगा?

संसद से मंजूरी मिलने और राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद नया कानून प्रभाव में आएगा। बिल में यह भी साफ किया गया है कि कानून लागू होने के बाद राज्यों को छह महीने के भीतर नई व्यवस्था तैयार करनी होगी। इस दौरान राज्यों को पुराने सिस्टम की जगह नया पंजीकरण और पहचान तंत्र लागू करना होगा।

एशिया कप से लेकर आईपीएल भगदड़ तक, 3 विवाद जिन्होंने हिला दिया भारतीय क्रिकेट

(जीएनएस)।

साल 2025 में भारतीय टीम ने नई उंचाइयों को छूने का काम किया। टीम इंडिया ने चैम्पियंस ट्रॉफी से लेकर एशिया कप तक बड़े इवेंट्स अपने नाम किये। फैन्स के यह एक तरह से यह यादगार साल बन गया लेकिन कुछ ऐसी चीजें भी देखने को मिली, जिससे निराशा हाथ लगी।

साल 2025 भारतीय क्रिकेट के लिए यादगार जीतों के साथ-साथ तीन बड़े विवादों की वजह से भी चर्चा में रहा। इन घटनाओं ने न सिर्फ सुर्खियाँ बटोरीं, बल्कि क्रिकेट प्रशासन, आयोजन व्यवस्था और खेल भावना पर भी गंभीर सवाल खड़े किए।

भारत-पाकिस्तान हैंडशेक मामला

एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के मुकाबले के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच पारंपरिक हाथ मिलाने की प्रक्रिया नहीं हुई। इस

घटना ने तुरंत तूल पकड़ लिया और सोशल मीडिया से लेकर क्रिकेट बोर्ड्स तक बहस छिड़ गई। कुछ लोगों ने इसे राजनीतिक तनाव से जोड़कर देखा, जबकि कई पूर्व खिलाड़ियों ने इसे खेल भावना के खिलाफ बताया। इस विवाद ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा किया कि क्या क्रिकेट को मैदान के बाहर की राजनीति से अलग रखा जा सकता है?

मोहसिन नकवी एशिया कप फाइनल की ट्रॉफी लेकर भागे

एशिया कप में खिताबी मुकाबले के बाद पुरस्कार वितरण के दौरान अव्यवस्था देखने को मिली, जब मंच पर मोहसिन नकवी अड़कर खड़े हो गए। भारतीय टीम ने ट्रॉफी लेने मना कर दिया और नकवी ने अपनी जगह खड़े होकर ट्रॉफी देने की जिद्द की। काफी समय तक ड्रामा होने के बाद नकवी ट्रॉफी को अपने साथ लेकर चले गए और यह अभी तक एशियं क्रिकेट काउंसिल के दुबई स्थिति ऑफिस में रखी हुई है।

आरसीबी की जीत की खुशी मातम में बदली

आईपीएल में आरसीबी ने पहली बार टाइटल अपने नाम कर लिया। इस फ्रेंचाइजी की ऐतिहासिक जीत के बाद आयोजित सेलिब्रेशन इवेंट में भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिसके चलते स्टेडियम के बाहर अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में कई लोगों की जान गई और कई घायल हुए। इस घटना ने क्रिकेट आयोजनों में भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक अनुमति प्रक्रिया पर गहरे सवाल खड़े कर दिए। आरसीबी की जीत की खुशी तुरंत मातम में बदल गई।

ईशान किशन ने धोनी को छोड़ा पीछे, फाइनल में छक्के से शतक जड़ जीत ली ट्रॉफी, अनुकूल रॉय का भी रहा जलवा

(जीएनएस)।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में झारखंड ने हरियाणा के खिलाफ बल्लेबाजी में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 262 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। इस बड़े मैच में झारखंड के बल्लेबाजों ने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाया और हरियाणा के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया। हरियाणा को हार मिली और ईशान किशन झारखंड के लिए टाइटल जीतने वाले पहले कप्तान बन गए हैं।

झारखंड की पारी की सबसे बड़ी कहानी कप्तान और विकेटकीपर ईशान किशन रहे। ईशान ने महज 49 गेंदों में 101 रनों की विस्फोटक पारी खेली। उनकी इस पारी में 6 चौके और 10 छक्के शामिल रहे। 200 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए ईशान ने फाइनल को पूरी तरह झारखंड के पक्ष में मोड़ दिया।

ईशान किशन का साथ दिया कुशाग्र ने, जिन्होंने 38 गेंदों पर 81 रन की तेजतर्रार पारी खेली। कुशाग्र के

बल्ले से 8 चौके और 5 छक्के निकले। इसके अलावा अनुकूल रॉय ने नाबाद 40 रन और रॉबिन मिंज ने नाबाद 31 रन बनाकर अंतिम ओवरों में रन गति को और तेज कर दिया।

हरियाणा की गेंदबाजी की बात करें तो कोई भी गेंदबाज झारखंड के बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा सका। अंशुल कंबोज और सुमित कुमार को एक-एक विकेट मिला, लेकिन रन रोकना किसी के लिए भी आसान नहीं रहा। समंत जाखड़ और अमित राणा जैसे गेंदबाज काफी महंगे साबित हुए।

झारखंड के इस स्कोर के बाद हरियाणा को जीत के लिए 263 रन का लक्ष्य मिला। 263 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी हरियाणा की टीम फाइनल मुकाबले के दबाव में पूरी तरह बिखर गई। शुरूआती विकेट जल्दी गिरने से हरियाणा कभी भी मैच में वापसी नहीं कर सकी। विकेटकीपर बल्लेबाज यशवर्धन दलाल ने 22 गेंदों में 53 रन की तेज पारी खेलकर थोड़ी उम्मीद जगाई, जबकि समंत जाखड़ ने 17 गेंदों पर 38 रन बनाए। इसके अलावा निशांत सिंधु ने 31 रन जोड़े, लेकिन बढ़ता रनरेट हरियाणा पर भारी पड़ गया। पूरी टीम 18.3 ओवर में 193 रन पर सिमट गई और झारखंड ने फाइनल मुकाबला 69 रन से जीतकर खिताब अपने नाम किया।

ईशान किशन झारखंड के लिए यह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतने वाले पहले कप्तान बन गए। धोनी भी ऐसा नहीं कर पाए थे। ईशान किशन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अनुकूल रॉय को ऑल राउंड प्रदर्शन के कारण प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

'मैं ऑस्कर ले आऊंगा', 'धुरंधर' की सफलता के बाद इस स्टार का बड़ा दावा! नाम जान हो जाएंगे हैरान

(जीएनएस)।

आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर' इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म की कहानी, निर्देशन और एक्शन के साथ-साथ इसकी कास्टिंग को भी दर्शकों और समीक्षकों से भरपूर सराहना मिल रही है। अलग-अलग पीढ़ियों और अभिनय शैलियों के कलाकारों का संतुलन इस फिल्म की बड़ी ताकत बनकर उभरा है। इस सफल कास्टिंग के पीछे जाने-माने कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा का अहम योगदान माना जा रहा है।

मुकेश छाबड़ा का बड़ा सपना

फिल्म की सफलता के बीच मुकेश छाबड़ा ने अपने करियर से जुड़ा एक बड़ा लक्ष्य साझा किया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि उनका उद्देश्य भारत के लिए 'बेस्ट कास्टिंग' कैटेगरी में ऑस्कर जीतना है। छाबड़ा का मानना है कि भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में कास्टिंग विभाग को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, जबकि किसी भी फिल्म की नींव मजबूत करने में इसकी भूमिका सबसे अहम होती है।

कास्टिंग विभाग को पहचान दिलाने की कोशिश

छाबड़ा ने कहा कि भारत में लगभग हर अवॉर्ड फंक्शन में कास्टिंग को वह सम्मान नहीं मिलता, जिसकी वह हकदार है। उनके मुताबिक, समय के साथ लोग यह समझेंगे कि सही कलाकारों का चयन ही फिल्म को यादगार बनाता है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि इतने बड़े लक्ष्य के बारे में खुलकर बोलते हुए उन्हें थोड़ी झिझक होती है, लेकिन उनका भरोसा है कि इसे सामने रखने से रास्ता जरूर बनेगा।

ऑस्कर में जुड़ रही नई कैटेगरी

गौरतलब है कि ऑस्कर अवॉर्ड्स 2026 से 'बेस्ट कास्टिंग' नाम की एक नई श्रेणी को शामिल किया जा रहा है। इस कैटेगरी में कास्टिंग डायरेक्टर्स ब्रांच के सदस्य वोट करेंगे और इसके बाद शॉर्टलिस्ट तैयार होगी। इस ऐलान के बाद से ही दुनिया भर के कास्टिंग डायरेक्टर्स में उत्साह देखा जा रहा है और मुकेश छाबड़ा इसे भारत के लिए एक ऐतिहासिक मौका मान रहे हैं।

शानदार करियर और आने वाले प्रोजेक्ट

मुकेश छाबड़ा इससे पहले 'बजरंगी भाईजान', 'रॉकस्टार', 'जवान' और 'डंकी' जैसी बड़ी और सफल फिल्मों की कास्टिंग कर चुके हैं। 'धुरंधर' के अलावा उन्होंने नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' की कास्टिंग भी पूरी कर ली है, जो अगले साल रिलीज होगी।

'धुरंधर' की बॉक्स ऑफिस उपलब्धि

'धुरंधर' एक स्पाई एक्शन थ्रिलर है, जिसमें रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, सारा अर्जुन, संजय दत्त और अर्जुन रामपाल जैसे कलाकार नजर आते हैं। फिल्म इस साल की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है और इसने 'सैयारा' और 'कुली' जैसी फिल्मों को भी पीछे छोड़ दिया है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

पश्चिम रेलवे पर ऊर्जा संरक्षण सप्ताह 2025 का आयोजन

मुंबई, रेलवे अपने नेटवर्क पर सतत विकास को बढ़ावा देने हेतु निरंतर महत्वपूर्ण कदम उठा रही है, जिससे ऊर्जा संरक्षण एवं पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के प्रति उसकी प्रतिबद्धता और सुदृढ़ होती है। इसी क्रम में, पश्चिम रेलवे द्वारा राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस (जो प्रत्येक वर्ष 14 दिसंबर को मनाया जाता है) के अवसर पर 08 से 14 दिसंबर 2025 तक ऊर्जा संरक्षण सप्ताह का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना तथा पश्चिम रेलवे द्वारा इस दिशा में की गई पहलों को उजागर करना था।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सप्ताह भर चले इस आयोजन के दौरान पश्चिम रेलवे के सभी छह मंडलों, पाँच कारखानों एवं मुख्यालय में विभिन्न ऊर्जा संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें सेमिनार, पंपलेट का वितरण, रेलवे स्टेशनों पर सार्वजनिक घोषणाएँ, एसएमएस अलर्ट, बैनर प्रदर्शन आदि शामिल थे। इसके अतिरिक्त, निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं जैसी सहभागितापूर्ण गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं, जिनका उद्देश्य रेलवे कर्मचारियों के साथ-साथ आम जनता को ऊर्जा संरक्षण के महत्व के प्रति संवेदनशील बनाना था।

ऊर्जा संरक्षण सप्ताह 2025 के अंतर्गत एक सेमिनार का आयोजन

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता के साथ अपर महाप्रबंधक श्री प्रदीप कुमार तथा प्रमुख मुख्य बिजली इंजीनियर श्री रजनीश कुमार गोयल दिखाई दे रहे हैं।

किया गया, जिसकी अध्यक्षता पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने की। इस सेमिनार में अपर महाप्रबंधक, प्रमुख विभागाध्यक्ष, मंडल रेल प्रबंधक, वरिष्ठ रेल अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सेमिनार में भारतीय रेल एवं पश्चिम रेलवे द्वारा सतत ऊर्जा उपयोग को बढ़ावा देने तथा राष्ट्रीय एवं वैश्विक जलवायु लक्ष्यों के समर्थन में निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

श्री विनीत ने आगे बताया कि ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में वर्ष 2024झ 2025 के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले पंद्रह रेलवे अधिकारियों को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों एवं ऊर्जा दक्षता बढ़ाने तथा नवोन्मेषी ऊर्जा बचत उपायों के कार्यान्वयन हेतु मेरिट प्रमाणपत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

अपने समापन संबोधन में महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने पश्चिम रेलवे पर विभिन्न ऊर्जा संरक्षण पहलों की योजना, कार्यान्वयन एवं निगरानी के लिए विद्युत विभाग द्वारा किए जा रहे सतत एवं समर्पित प्रयासों की सराहना की। उन्होंने नवीन तकनीकों को अपनाने तथा कर्मचारियों एवं हितधारकों के बीच जागरूकता फैलाने के विभाग के सक्रिय दृष्टिकोण की प्रशंसा की।

महाप्रबंधक ने भविष्य में ऊर्जा संरक्षण उपायों को और अधिक सुदृढ़ एवं सतत बनाने हेतु महत्वपूर्ण मार्गदर्शन एवं सुझाव भी दिए। उन्होंने निरंतर निगरानी, नवीन ऊर्जा दक्ष तकनीकों को अपनाने, नवीकरणीय ऊर्जा के अधिक उपयोग तथा सभी विभागों की सामूहिक भागीदारी के महत्व पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे दीर्घकालिक पर्यावरणीय एवं वित्तीय लाभ प्राप्त करने हेतु ऊर्जा संरक्षण को अपनी दैनिक कार्यप्रणाली का अभिन्न हिस्सा बनाएं।

पश्चिम रेलवे संगठन के प्रत्येक स्तर पर ऊर्जा संरक्षण पहलों को सुदृढ़ करने एवं निरंतरता की संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

'सीएम कान में कहकर वोट कटवा रहे', अखिलेश यादव का यूपी सरकार पर एसआईआर घोटाले का आरोप

(जीएनएस)। उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर हलचल मच गई है। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आज (18 दिसंबर 2025) लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें अखिलेश ने, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर गंभीर आरोप लगाए।

अखिलेश ने दावा किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) प्रक्रिया के जरिए सरकार जानबूझकर समाजवादियों के वोट कटवा रही है। उन्होंने इसे चुनावी साजिश करार दिया और चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए। इसके अलावा, कोडीन कफ सिरप घोटाले, प्रदूषण और अन्य मुद्दों पर भी योगी सरकार को घेरा। आइए, इस पूरे विवाद को विस्तार से समझते हैं- क्या है रक्फ़ आरोपों की जड़ क्या है और इसका राजनीतिक असर क्या हो सकता है?

विशेष गहन पुनरीक्षण चुनाव आयोग की एक प्रक्रिया है, जिसके तहत मतदाता सूची को अपडेट किया जाता है। इसमें दोहराए गए नाम, मृतकों या गैर-मौजूद मतदाताओं के नाम हटाए जाते हैं, ताकि चुनाव निष्पक्ष हों। उत्तर प्रदेश में रक्फ़ की प्रक्रिया हाल ही में शुरू हुई है, और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया था कि इससे करीब 4 करोड़ फर्जी वोट हटाए गए हैं। लेकिन विपक्षी दल, खासकर सपा और कांग्रेस, इसे एनआरसी (नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स) जैसी साजिश बता रहे हैं।

उनका आरोप है कि यह प्रक्रिया अल्पसंख्यकों, गरीबों और विपक्षी समर्थकों को टारगेट कर रही है, जिससे चुनावी बैलेंस बिगड़ सकता है। अखिलेश यादव ने इसे 'ठफ्ठ का छद्म रूप' बताया, जहां स्पेलिंग मिस्टेक जैसी छोटी गलतियों से नाम काटे जा रहे हैं, और चुनाव आयोग चुप है।

'मुख्यमंत्री कान में कहकर वोट कटवा रहे हैं'

प्रेस कॉन्फ्रेंस में अखिलेश यादव ने योगी आदित्यनाथ पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार अपने लोगों को बचा रही है, जबकि विपक्ष

के वोटरों पर दबाव बनाया जा रहा है। यहां उनके प्रमुख बयानों का सारः-

वोट कटवाने का दावाः 'मुख्यमंत्री जी जहां जा रहे हैं, वहां अधिकारियों के कान में बता रहे हैं कि समाजवादियों का वोट काट दो। कान में कहकर आए हैं मुख्यमंत्री जी कि इनका वोट कटना है, कोई ना कोई कमी निकालिए, नोटिस भी मत भेजिए।' अखिलेश ने सवाल उठाया कि अगर SIR रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं हुई, तो मुख्यमंत्री को कैसे पता चला कि 4 करोड़ वोट कट गए? 'अभी हम लोगों को आंकड़े तो मिले नहीं, यह मुख्यमंत्री जी को कैसे पता लग गया कि 4 करोड़ उनके वोट कट गए? सब बीजेपी के पास आंकड़े पहुंच गए हैं। सुनने में आ रहा है कि रात में बैठकर उनके विधायक, बीजेपी के नेता लोग, प्राइवेट कंपनियां के वोट कैसे बढ़ाया जाए, वोट को बराबर कैसे किया जाए कि 4 करोड़ वोट कट गए। सोचो, मुख्यमंत्री ने स्वीकार किया कि 4 करोड़ वोट उनका कट गया है, उन्हें कैसे पता उन्हीं का कट गया है?'

राजनीतिक साजिश का आरोपः अखिलेश ने आरोप लगाया कि रक्फ़ के जरिए चुनाव आयोग और बीजेपी के बीच सांठगांठ है। उन्होंने कहा कि जो ऐप रक्फ़ के लिए इस्तेमाल हो रहा है, वह उसी कंपनी का है जिसने चुनावी बॉन्ड्स से बीजेपी को फंड दिया था। इससे विपक्ष को कमजोर करने की कोशिश हो रही है। अगर 4 करोड़ वोट कटे, तो प्रति विधानसभा सीट (कुल 403) औसतन 84 हजार वोट हटाए गए, जो बिना प्रशासनिक दबाव के संभव नहीं।

यह आरोप इसलिए गंभीर हैं क्योंकि उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव नजदीक हैं, और वोटर लिस्ट में बदलाव सीधे चुनावी नतीजों को प्रभावित कर सकता है। विपक्ष का मानना है कि इससे सामाजिक संतुलन बिगड़ेगा, खासकर मुस्लिम और पिछड़े वर्गों के वोट प्रभावित होंगे।

अखिलेश ने कोडीन कफ सिरप के घोटाले पर भी सरकार को घेरा। यह मुद्दा हाल ही में सुर्खियों में आया, जहां अवैध रूप से कोडीन युक्त सिरप की बिक्री और मिलावट की शिकायतें हैं। अखिलेश ने कहाः- 'कोडीन को लेकर आम लोग और गरीब लोग चिंतित हैं, प्रधान संसद के यहां से शुरू होकर कोडीन कफ सीरप को भेजा जा रहा है। माफिया घूम रहे हैं, कालीन भैया...कोडीन भैया तो सबने देखा।' उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर अपने लोगों को बचा रही है, और यह एक बड़ा घोटाला है। बैकग्राउंड में, कोडीन एक प्रतिबंधित दवा है, जिसका दुरुपयोग नशे के लिए होता है। उत्तर प्रदेश में हाल के छापों में बड़े पैमाने पर मिलावटी सिरप बरामद हुए हैं, लेकिन विपक्ष का कहना है कि असली दोषियों पर कार्रवाई नहीं हो रही।

प्रदूषण और पर्यावरण पर सवालः 'समाजवादियों का स्टेडियम, मैच नहीं हो पाया'

अखिलेश यादव (अ॔ीर॔ ि५) ने लखनऊ के प्रदूषण को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा:- 'इस समय पॉल्यूशन की वजह से सोचिए अंतरराष्ट्रीय मैच लखनऊ में नहीं हो पाया और यह वही स्टेडियम है जो समाजवादियों ने बनवाया। नदियों का हाल आप जानते ही हो और एक्यूआई का डाटा सरकार के पास अपना है। इससे ज्यादा सवाल गन्ने का, चीनी मिलों का और पर्यावरण को लेकर के बहुत चिंता है।' लखनऊ का अदक हाल में 300 से ऊपर रहा है, जिससे मैच रद्द हुए। अखिलेश ने इसे सरकार की विफलता बताया, जबकि सपा शासन में बने इंफ्रास्ट्रक्चर का जिक्र कर अपनी उपलब्धियां गिनाईं।

राजनीतिक असर और रिएक्शन

यह प्रेस कॉन्फ्रेंस रक्फ़ विवाद को और गमार्ती है, जो पहले से ही योगी और अखिलेश के बीच टकराव का कारण बना हुआ है। बीजेपी ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताया है, जबकि विपक्ष एकजुट हो रहा है। सोशल मीडिया पर SIR2025 और Akhilesh ट्रेंड कर रहे हैं। चुनाव आयोग से मांग की जा रही है कि रक्फ़ रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। अगर आरोप साबित हुए, तो यह चुनावी प्रक्रिया पर बड़ा सवाल खड़ा कर सकता है। फिलहाल, योगी सरकार की ओर से कोई आधिकारिक जवाब नहीं आया है।

यह विवाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में नई बहस छेड़ रहा है - क्या रक्फ़ निष्पक्ष अपडेट है या चुनावी हथियार? फैंस और विश्लेषक आगे की घटनाओं पर नजर रखे हुए हैं।

लोकसभा में वीबी जी राम जी विधेयक पर हाई वॉल्टेज ड्रामा

(जीएनएस)।

संसद का शीतकालीन सत्र अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच गया है। सरकार इसमें ज्यादा से ज्यादा बिलों को पास कराने की कोशिश कर रही है। दूसरी ओर विपक्षी दल भी हमलावर हैं। गुरुवार को लोकसभा में मनरेगा का नाम बदलने वाले बिल पर जमकर हंगामा हुआ। विपक्षी सांसदों ने बिल के पर्चे फाड़कर कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के ऊपर फेंक दिए। भारी हंगामे की वजह से लोकसभा की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी।

राज्यसभा में भी परमाणु उर्जा संशोधन बिल पर विपक्षी सांसदों ने जमकर हंगामा किया। इस दौरान संसदीय कार्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष के बिल को लेकर जो भी शंकाएं हैं और आपत्ति हैं, सरकार उन पर विचार करने के लिए तैयार है। कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके समेत कई विपक्षी दल इसका विरोध कर रहे हैं।

- लोकसभा में मनरेगा का नाम बदलकर VB-G Ram G बिल किए जाने का कांग्रेस ने कड़ा विरोध किया। वायनाड सांसद प्रियंका गांधी ने बिल के विरोध में कहा कि इस सरकार को बापू के नाम से भी परहेज है। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विपक्ष सिर्फ विरोध करना जानता है और यह नकारात्मक राजनीति है।

- इस दौरान लोकसभा में भारी हंगामा शुरू हो गया और विपक्षी सांसदों ने सदन के अंदर ही बिल के पर्चे फाड़ दिए और उसे उछालकर कृषि मंत्री के ऊपर फेंक दिया। बिल के कुछ पर्चे स्पीकर ओम बिड़ला की तरफ भी गए थे। हंगामे की वजह से लोकसभा की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी।

- भारत के रुपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्धन विधेयक, 2025 पर राज्यसभा में चर्चा के दौरान जमकर हंगामा हुआ। टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने कहा कि सरकार इस बिल को SHANTI नाम दे रही है, लेकिन यह नागरिकों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। दिल्ली में प्रदूषण का मामला गमार्या

दिल्ली में प्रदूषण के मुद्दे पर विपक्षी सांसदों ने चर्चा की मांग की। कांग्रेस सांसदों ने कहा कि पहले आम आदमी पार्टी और अब बीजेपी ने दिल्ली का हाल बुरा कर दिया है। आज यह स्थिति है कि बच्चे-बूढ़े सांस नहीं ले पा रहे हैं। बीमारी की वजह से दिल्ली छोड़कर जाना पड़ रहा है। बीजेपी सांसदों ने सत्र के बीच में राहुल गांधी के विदेश जाने पर भी सवाल उठाया। कांग्रेस ने सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले संसद परिसर में बीजेपी के खिलाफ प्रदर्शन किया और नारेबाजी भी की।

'मुसलमान हिंदू की तरह करें पूजा', कौन हैं संघ नेता दत्तात्रेय होसबले? जिनके बयान पर मचा बवाल

(जीएनएस)।

"हिंदू धर्म सर्वोच्च है और अगर भारत में रहने वाले मुसलमान सूर्य नमस्कार करें, नदियों की पूजा करें, तो इससे उनका कुछ भी नहीं बिगड़ने वाला नहीं है। मुसलमानों को भी हिंदुओं की तरह पूजा करनी चाहिए" ये बयान फ्रर के वरिष्ठ नेता-महासचिव दत्तात्रेय होसबले नेउत्तर प्रदेश के संत कबीर नगर में दिया है। जिसपर चौतरफा विवाद हो रहा है।

दत्तात्रेय होसबले ने कहा कि सूर्य नमस्कार एक वैज्ञानिक और स्वास्थ्य से जुड़ा अभ्यास है। इसमें कोई धार्मिक बाध्यता नहीं है। उनके मुताबिक, अगर मुसलमान भी सूर्य नमस्कार या प्राणायाम करते हैं तो इससे उन्हें कोई नुकसान नहीं होगा। उन्होंने यह भी कहा कि इसका मतलब यह नहीं है कि उन्हें मस्जिद जाने या नमाज छोड़ने से रोका जाएगा। इसी दौरान उन्होंने यह भी कहा कि हिंदू धर्म सबके लिए बोलता है और प्रकृति, जीव-जंतुओं और पर्यावरण के प्रति अहिंसा की शिक्षा देता है। ऐसे में आइए जानते हैं कौन हैं दत्तात्रेय होसबले?

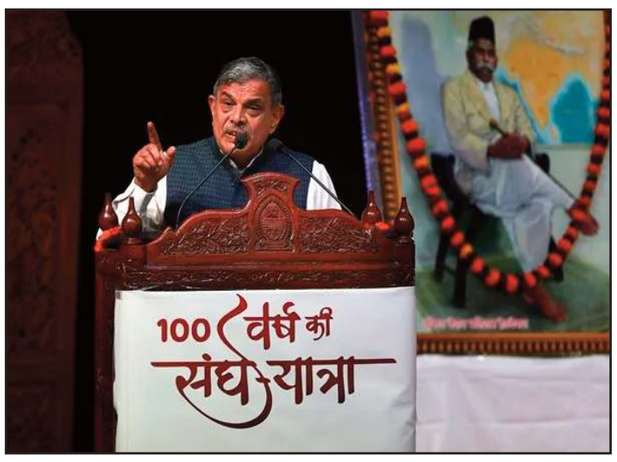

: कौन हैं दत्तात्रेय होसबले?

दत्तात्रेय होसबले फ्रर के मौजूदा सरकार्यवाह यानी महासचिव हैं। उनका जन्म 1 दिसंबर 1954 को कर्नाटक के शिमोगा में हुआ। उनका परिवार शुरू से फ्रर से जुड़ा रहा है।

उन्होंने 1968 में फ्रर जॉइन किया और 1972 में अइश्ढ से जुड़े। आपातकाल के दौरान उन्होंने इंदिरा गांधी सरकार का विरोध किया, जिसके चलते उन्हें एक साल से ज्यादा समय तक जेल में रहना पड़ा।

शिक्षा की बात करें तो उन्होंने बेंगलुरु के नेशनल कॉलेज से ग्रेजुएशन और मैसूर यूनिवर्सिटी से पोस्ट ग्रेजुएशन किया है।

1992 में होसबले अइश्ढ के संगठन मंत्री बने। 2009 में उन्हें फ्रर का सह-सरकार्यवाह बनाया गया।

20 मार्च 2021 को वे फ्रर के सरकार्यवाह बने। 2024 में वे इस पद पर दोबारा चुने गए।

माना जाता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के साथ उनके करीबी संबंध भी उनकी भूमिका को मजबूत बनाते हैं।

'हिंदू धर्म सर्वोच्च है' वाली लाइन पर आपत्ति

दत्तात्रेय होसबले के बयान का सबसे विवादित हिस्सा रहा "हिंदू धर्म सर्वोच्च है"। कई लोगों ने इसे एक धर्म को दूसरे से ऊपर बताने की कोशिश माना। वहीं, "मस्जिद जाने से नहीं रोका जाएगा" जैसी टिप्पणी को भी आलोचकों ने 'समावेशन के नाम पर आत्मसात करने' का संकेत बताया।

आलोचकों का कहना है कि इस तरह के बयान धर्म को संस्कृति, स्वास्थ्य और पर्यावरण से जोड़कर सामान्य सार्वजनिक व्यवहार के रूप में पेश करते हैं, जिससे अल्पसंख्यकों पर अप्रत्यक्ष दबाव बनता है।

इस कार्यक्रम में होसबले ने 'मानव धर्म' को सबसे ऊपर रखने की बात कही। साथ ही देश के विभाजन का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौर में हिंदुओं के साथ क्या हुआ, यह सभी जानते हैं। इस टिप्पणी ने भी सियासी माहौल को और गरमा दिया।

यह पहली बार नहीं है जब दत्तात्रेय होसबले विवादों में आए हों। जून महीने में उन्होंने संविधान की प्रस्तावना में शामिल 'सेक्युलर' और 'सोशलिस्ट' शब्दों पर बहस की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि ये शब्द आपातकाल के दौरान जोड़े गए थे और मूल प्रस्तावना का हिस्सा नहीं थे। इस पर विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसे संविधान और बराबरी के मूल्यों पर हमला बताया था।

दत्तात्रेय होसबले का बयान ऐसे वक्त में आया है, जब देश में धर्म, संस्कृति और संविधान को लेकर बहस पहले से ही तेज है।

भाजपा के इस नेता ने चार साल बाद कटवाए बाल, जानें क्या ली थी प्रतिज्ञा, जो अब हो गई पूरी

(जीएनएस)।

भाजपा नेता राम कदम एक बार फिर सुर्खियों में हैं क्योंकि चार साल बाद उन्होंने अपने बाल कटवाए हैं। राम कदम ने चार साल पहले बाल ना कटवाने की अनोखी प्रतिज्ञा अपने लिए नहीं बल्कि अपने विधानसभा क्षेत्र घाटकोपर के नागरिकों के लिए ली थी। अब चार साल बाद प्रतिज्ञा पूरी होने पर उन्होंने अपने बाल करटवाए हैं। राम कदम का वीडियो सामने आया है जिसमें वो लंबे-लंबे बाल कटवाते हुए काफी खुश नजर आ रहे हैं।

दरअसल, मुंबई के घाटकोपर विधानसभा क्षेत्र के पहाड़ी इलाकों को पर्याप्त पानी नहीं मिलता था। चार साल पहले भाजपा नेता राम कदम ने तब ये प्रतिज्ञा ली थी कि वो तक वो बाल नहीं कटवाएंगे जब तक उनके विधानसभा क्षेत्र घाटकोपर के पहाड़ी इलाकों को पानी नहीं मिल जाता। वहीं राम कदम के आंदोलन और लंबे संघर्ष के बाद अब घाटकोपर के पहाड़ी क्षेत्र में पानी की समस्या हल होने पर उन्होंने अपने बाल कटवा दिए हैं।

4 नवंबर, 2022 को एक ट्वीट में, कदम ने अधिकारियों संग बैठक

की तस्वीर साझा कर थी और बाल ना कटवाने की अपनी प्रतिज्ञा को दोहराया था। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह और जेपी नड्डा को भी टैग भी किया था। घाटकोपर के पहाड़ी क्षेत्रों में पानी की कमी एक पुरानी समस्या है। विधायक ने आक्रामक रुख अपनाते हुए पानी प्रश्न सुलझाने के लिए महापालिका अधिकारियों से लगातार बैठकें की और जमकर सर्खियां बटोरी थी।

कदम की इस प्रतिज्ञा को तब खूब समर्थन भी मिला था। संदीप गिरकर ने प्रतिक्रिया दीः "'पानी' ही घाटकोपर और पार्कसाइट की राजनीति का मुख्य मुद्दा है। इस समस्या के स्थायी समाधान हेतु आपकी भीष्म प्रतिज्ञा का हम पूरा समर्थन करते हैं।" अब देखना होगा कि क्या घाटकोपर की पानी समस्या हल होगी और क्या विधायक कदम अपनी शपथ पूरी कर पाएंगे।

कौन हैं राम कदम?

राम कदम महाराष्ट्र के प्रमुख राजनेताओं में से एक माने जाते हैं। वे भारतीय जनता पार्टी से जुड़े हुए हैं और महाराष्ट्र विधान सभा के विधायक के रूप में कार्य कर चुके हैं। उनका जन्म 24 जनवरी 1972 को हुआ था।

रामकदम मुंबई के घाटकोपर वेस्ट विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के विधायक रह चुके हैं।

अपने राजनीतिक करियर की शुरूआत उन्होंने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना से की थी और वर्ष 2009 में पहली बार विधायक बने।

बाद में राम कदम ने भारतीय जनता पार्टी में शामिल होकर 2014 और 2019 के विधानसभा चुनावों में जीत हासिल की।

रामकदम राजनीति और सार्वजनिक टिप्पणियाँ अक्सर मीडिया में चर्चा का विषय रहती हैं, जिनमें कभी-कभी विवादित बयान भी शामिल रहे हैं।

माल्टा महोत्सव में पहुंचे डीएम, पहाड़ी नमक पिसा और खटाई का भी लिया स्वाद, वायरल हो रहा ये अंदाज

(जीएनएस)।

रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी प्रतीक जैन लगातार क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए लोगों के बीच अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। युवा जिलाधिकारी प्रतीक जैन सोशल मीडिया में भी वायरल हो रहे हैं। हाल ही में रुद्रप्रयाग डीएम प्रतीक जैन माल्टा महोत्सव में पहुंचे।

उन्होंने माल्टा महोत्सव में स्टॉल लगा रही महिलाओं से बात की। उन्होंने महिलाओं से माल्टा, नमक के बारे में जानकारी ली। साथ ही डीएम ने नमक को बनाने के बारे में भी पूछा। जिसके बाद महिलाओं ने उन्हें पहाड़ी नमक लूंण के बारे में बताया।

महिलाओं ने बताया कि इसे सिलौटा में पिसा जाता है, बस डीएम ने सिलौटा पर नमक भी पीसा। डीएम का पहाड़ी नमक पिसते हुए वीडियो वायरल हो रहा है। जिसे लोग काफी तारीफ कर रहे हैं। बता दें कि इन दिनों पहाड़ों में माल्टा का खूब उत्पादन हो रहा है। किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए रुद्रप्रयाग में माल्टा महोत्सव आयोजित हो रहा है।

महोत्सव के दौरान जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने स्वयं सहायता समूहों की

महिलाओं द्वारा लगाए गए स्टालों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने महिलाओं से संवाद कर उनके द्वारा तैयार किए जा रहे माल्टा से बने उत्पादों की जानकारी ली और उत्पादों की गुणवत्ता एवं प्रस्तुति की सराहना की। जिलाधिकारी ने स्वयं माल्टा से बने विभिन्न उत्पादों और खटाई का स्वाद भी लिया।

डीएम का ये अंदाज सबको खासा पसंद आ रहा है। वे सीधे लोगों के बीच पहुंचकर सरल तरीके से बात करते हैं। जिससे लोगों को एक पल के लिए ये भी एहसास नहीं होता है कि वे एक डीएम के साथ हैं। ऐसे में डीएम प्रतीक धीरे धीरे लोगों के बीच अपनी अलग पहचान बना रहे हैं प्रतीक जैन रुद्रप्रयाग के सबसे युवा 32 साल के जिलाधिकारी हैं। जबसे डीएम का चार्ज लिया है तब से लगातार क्षेत्र में लोगों के बीच सक्रिय होकर काम कर रहे हैं। सबसे पहले प्रतीक जैन पैदल ही केदारनाथ धाम पहुंच गए थे। इस दौरान उन्होंने यात्रियों की समस्याओं को मौके पर ही सुना और उनका निस्तारण करने की कोशिश की।

आपदा के दौरान डीएम प्रभावितों से मिलने नदी पार करके कई किमी पैदल चलकर पहुंचे। अभी हाल ही में उखीमठ मंदिर में शिव साधना करते और भजन गाते हुए वायरल हुए। प्रतीक जैन मूलरुप से राजस्थान के अजमेर के रहने वाले हैं। जो कि 2018 बैच के आईएएस अधिकारी हैं।

विजिलेंस की बड़ी कार्रवाई, खंड शिक्षा अधिकारी को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते दबोचा, मचा हड़कंप

(जीएनएस)।

उत्तराखंड में विजिलेंस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी को 20 हजार रुपये की रिश्वत के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी खंड शिक्षा अधिकारी ने पुलिस मॉडर्न स्कूल, 40 बटालियन पीएसी, हरिद्वार की मान्यता का औपबंधिक प्रमाणपत्र जारी करने के एवज में रिश्वत मांगी थी।

हरिद्वार जिले में विजिलेंस की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। विजिलेंस ने खंड शिक्षा अधिकारी और प्रधानाध्यापक को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि खंड शिक्षा अधिकारी ने 40 वाहिनी पीएसी के पुलिस मॉडर्न स्कूल की मान्यता से जुड़े मामले में बीस हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी।

विजिलेंस की टीम ने आरोपी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोप है कि मंगोलपुर स्थित सरकारी स्कूल के प्रधानाध्यापक ने भी रिश्वत की मांग की थी। विजिलेंस की टीम ने उसे भी गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद टीम दोनों आरोपियों को लेकर देहरादून रवाना हो गई। जिसके बाद से पूछताछ जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार स्कूल की मान्यता के लिए नवीनीकरण प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी। शिकायतकर्ता ने जब खंड शिक्षा अधिकारी बृजपाल सिंह राठौर से नवीनीकरण प्रमाण पत्र जारी करने को कहा तो उन्होंने रिश्वत की एवज में बीस हजार रुपए मांगे। शिकायतकर्ता ने इसकी शिकायत विजिलेंस से की। जांच में शिकायत सही पाई गई। इसके बाद रोशनाबाद स्थित खंड शिक्षा अधिकारी के कार्यालय पर छापेमारी की।

विजिलेंस की टीम ने खंड शिक्षा अधिकारी बृजपाल सिंह राठौड़ को रोशनाबाद जिला मुख्यालय में ही दबोच लिया। बृजपाल सिंह राठौर बहादराबाद में तैनात हैं। शिकायत पर टीम ने आज अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया। विजिलेंस की टीम ने अभियुक्त के संबंध में अन्य जानकारी जुटा रही है। साथ ही अभियुक्त के अन्य दस्तावेज और जरुरी जानकारियों के आधार पर जांच को आगे बढ़ा रही है। इसके साथ ही विजिलेंस अभियुक्त की संपत्तियों को लेकर भी अहम जानकारी जुटा रही है।विजिलेंस की कार्रवाई से शिक्षा विभाग में हड़कंप मचा हुआ है।

महामहिम आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय की बाल सुधार गृहों हेतु पहल

लखनऊ कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल महोदया आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा बाल सुधार गृहों के समुचित क्रियान्वयन एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से राजकीय बाल गृह (बालिका), सिंधी खेड़ा, लखनऊ तथा राजकीय संप्रेक्षण गृह (किशोर), मोहान रोड, लखनऊ का भ्रमण कर वहां की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया।

इस अवसर पर बालिका गृह में हाईस्कूल एवं स्नातक स्तर पर अध्ययनरत बालिकाओं हेतु विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, हिंदी, अंग्रेजी सहित समाजशास्त्र, राजनीति शास्त्र एवं शिक्षाशास्त्र विषयों के क्वेश्चन बैंक एवं अलमारियों का वितरण किया गया। वहीं किशोर संप्रेक्षण गृह में बच्चों की रचनात्मकता को बढ़ावा देने हेतु ड्राइंग बुक्स एवं वैक्स कलर वितरित किए गए।

कुलपति प्रो. अजय तनेजा के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय द्वारा बच्चों के संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं विधिक सहायता में निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम में डॉ. महेश कुमार (कुलसचिव), डॉ. विकास (परीक्षा नियंत्रक), डॉ. पीयूष कुमार त्रिवेदी (विभागाध्यक्ष, विधि अध्ययन संकाय) सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित रहे। अधिकारियों एवं शिक्षकों ने बच्चों से संवाद कर उन्हें शिक्षा, अनुशासन एवं सकारात्मक जीवन मूल्यों के महत्व से अवगत कराया।

यह पहल बाल गृहों में निवासरत बच्चों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने की दिशा में माननीय कुलाधिपति महोदया आनंदीबेन पटेल के संकल्प को साकार करने वाला ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय का एक सुदृढ़ प्रयास है।

गोपाल पीठाधीश्वर पुरुषोत्तम जी और पूर्व सांसद रामविलास वेदांती जी को दी गई श्रद्धांजलि

मथुरा (जीएनएस)। संस्कृत भारती ब्रजप्रांत (मथुरा) द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल नगर में ब्रजमंडल के संस्कृत भाषा के प्रकांड विद्वान श्री गोपाल वैष्णव पीठाधीश्वर श्री पुरूषोत्तम लाल जी महाराज और श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले संस्कृत भाषा के परम विद्वान पूर्व सांसद रामविलास वेदांती जी महाराज को श्रद्धांजलि दी गई। इस बीच श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने दोनों विद्वानों के गोलोकवास हो जाने पर आध्यात्म जगत एवं सनातन संस्कृति के लिए अपूर्णीय क्षति बताया। संस्कृत भारती ब्रजप्रांत के मथुरा अध्यक्ष आचार्य ब्रजेन्द्र नागर ने श्री गोपाल वैष्णव पीठाधीश्वर श्री डा. पुरुषोत्तम जी महाराज के द्वारा संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार में दिए गए अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला। वहीं उन्होंने संस्कृत भाषा के विशिष्ट विद्वान एवं श्रीराम जन्मभूमि न्यास के वरिष्ठ सदस्य पूर्व सांसद डा. रामविलास वेदांती जी के जीवन पर भी प्रकाश डालते हुए कहा श्री रामकथा के माध्यम से संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार में वह समर्पित रहे, वह अपने हिन्दू धाम नया घाट व वशिष्ठ आश्रम में रहकर विद्यार्थियों को संस्कृत भाषा के प्रति प्रोत्साहित किया करते थे। वहीं श्री दीपक ज्योतिष भागवत संस्थान के निदेशक ज्योतिषाचार्य पंडित कामेश्वर नाथ चतुर्वेदी ने कहा कि श्रीमद् विष्णु स्वामी सम्प्रदाय आचार्य वेद वेदांग विद्या विभूषित धर्मशास्त्र के प्रकांड विद्वान संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार में सदैव समर्पित भाव रखने वाले श्री गोपाल वैष्णव पीठाधीश्वर श्री डा. पुरुषोत्तम जी महाराज के गोलोकवास हो जाने से भारतवर्ष की सनातन संस्कृति को अपूर्णीय क्षति हुई है तो वहीं भारतीय संस्कृति का संरक्षण करने वाले तथा श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में अग्रणी भूमिका में रहने वाले पूर्व सांसद डा. रामविलास वेदांती जी के साकेतवास हो जाने पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर संस्कृत भारती के रामदास चतुर्वेदी शास्त्री एवं आचार्य मुरलीधर चतुर्वेदी ने कहा कि डा. श्री पुरूषोत्तम जी महाराज का संस्कृत भारती को सदैव मार्गदर्शन व आशीर्वाद मिलता रहा, वह घर-घर तक वैदिक शिक्षा एवं संस्कृत भाषा को पहुंचाने के लिए प्रयासरत रहते थे। इस बीच श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में संस्कृत भारती ब्रजप्रांत मंत्री धर्मेंद्र कुमार अग्रवाल, न्यास सचिव गंगाधर अरोड़ा, गणेश शंकर पांडेय, हरस्वरुप यादव, श्यामसुंदर शर्मा, योगेश उपाध्याय आवा, अखिलेश गौतम और संदीप चौधरी आदि ने दोनों विद्वानों के गोलोकवास हो जाने पर धार्मिक व सामाजिक क्षेत्र में अपूर्णीय क्षति बताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन संस्कृत भारती मथुरा डा. संजय शर्मा ने किया तथा अध्यक्षता संस्कृत भारती ब्रजप्रांत न्यास अध्यक्ष ओमप्रकाश बंसल ने की।

सिद्ध पीठ माता काली मंदिर में पूर्ण आहुति उत्सव की तैयारी प्रारंभ : यमुना जी का पूजन और चुनरी उत्सव के बाद निकलेगी शोभायात्रा

मथुरा (जीएनएस)। महानगर में श्रीब्रज सिद्ध पीठकाली माता मंदिर कैंट बिजली घर पर पूर्ण आहुति उत्सव की तैयारी शुरू हो गईं हैं। जानकारी के अनुसार सिद्ध पीठ माता काली मंदिर पर आगामी रविवार से 29 दिसंबर तक पूर्ण आहुति उत्सव चलेगा। इस अवसर पर पूर्ण आहुति श्री यमुना जी का पूजन करके चुनरी उत्सव के उपरांत विश्राम घाट से शोभायात्रा प्रारंभ होकर कैंट स्थित माता काली मंदिर पहुंचेगी। उसके बाद यज्ञ आचार्य श्री देव दत्त जी और मंदिर महंत दिनेश चौबे के द्वारा मंडप में प्रवेश होगा। इसके बाद अग्नि प्रज्वलित की जाएगी। उसके बाद मंदिर में यज्ञ प्रारंभ हो जाएगा। इस संबंध में जानकारी यज्ञ आचार्य देवदत्त, मंदिर महंत दिनेश चौबे, अप्पू चतुर्वेदी, हनु चतुर्वेदी नौ घर वाले, बलवीर सिंह सोलंकी और डा. रमन टंडन आदि ने दी।

एनसीपीए ने सिटी बैंक के सहयोग से युवा संगीतकारों के लिए (हिंदुस्तानी संगीत) 2026-28 छात्रवृत्ति की घोषणा की

लखनऊ, 19 दिसम्बर 2025- नेशनल सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स (एनसीपीए), मुंबई ने एनसीपीए सिटी स्कॉलरशिप फॉर यंग म्यूजीशियन्स 2026झ28 के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह पहल हिंदुस्तानी संगीत में उभरती प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित है। कार्यक्रम में खयाल और ध्रुपद जैसी गायन परंपराओं के साथ-साथ बांसुरी, हारमोनियम, वायलिन, सितार, सरोद और अन्य कई वाद्ययंत्रों में उन्नत प्रशिक्षण का समर्थन किया जाएगा। चयनित विद्वानों को अप्रैल 2026 से मार्च 2028 तक दो वर्षों की अवधि के लिए प्रति माह ₹10,000 की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

उभरते हुए संगीतकारों को आमंत्रित किया जा रहा हैं कि वे अपनी संगीत शिक्षा का विवरण देते हुए अपना बायोडाटा 20 दिसंबर 2025 तक ईमेल के माध्यम से ल्ल्र्ल्लि४२ू२ूँङ्ग'१३ँस्र२@ल्लूर्स्रे४ृ.ङ्के पर भेजें। आवेदन में स्पष्ट रूप से उस श्रेणी का उल्लेख होना चाहिए जिसके लिए उम्मीदवार आवेदन कर रहा है—चाहे वह खयाल हो, ध्रुपद हो या कोई विशिष्ट वाद्ययंत्र। भौतिक या कूरियर द्वारा भेजे गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। चयनित उम्मीदवारों से संपर्क किया जाएगा और उन्हें ऑडिशन के लिए आमंत्रित किया जाएगा, जो फरवरी 2026 में वीडियो रिकॉर्डिंग के आधार पर आयोजित किए जाएंगे।

बायोडाटा में आवेदक का नाम, जन्मतिथि, आवासीय पता, संपर्क नंबर, ईमेल आईडी और व्यावसायिक योग्यताओं सहित संपूर्ण जानकारी शामिल होनी चाहिए। इसमें उम्मीदवार के संगीत प्रशिक्षण का विस्तृत विवरण भी होना आवश्यक है—जैसे गुरु या शिक्षकों के नाम, अध्ययन के कुल वर्ष, उपलब्धियाँ, पुरस्कार, पूर्व में प्राप्त छात्रवृत्तियाँ, प्रस्तुति अनुभव तथा उनकी कलात्मक यात्रा से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण विवरण।

आवेदकों से अनुरोध है कि इस चरण में स्कैन किए हुए दस्तावेज या ऑडियो/वीडियो फाइलें न भेजें; सूचीबद्ध प्रारूप में एक सुव्यवस्थित बायोडाटा पर्याप्त होगा।

अगले चरण के लिए चयनित उम्मीदवारों को ईमेल या फोन के माध्यम से सूचित किया जाएगा।

आवेदन प्रक्रिया से संबंधित किसी भी स्पष्टीकरण के लिए उम्मीदवार सोमवार से शुक्रवार, सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे के बीच 9082620065 पर कॉल कर सकते हैं।

पात्रता के लिए, खयाल और मेलोडी वाद्ययंत्रों के आवेदकों की आयु 1 मार्च 2026 को 18 से 30 वर्ष के बीच होनी चाहिए, जबकि ध्रुपद के आवेदक 18 से 35 वर्ष की आयु के बीच हो सकते हैं। जो उम्मीदवार संगीत के क्षेत्र में किसी अन्य छात्रवृत्ति या अनुदान का लाभ अप्रैल 2026 से मार्च 2028 की छात्रवृत्ति अवधि के दौरान ले रहे हैं, वे आवेदन करने के पात्र नहीं होंगे। इसके अतिरिक्त, पूर्णकालिक या अंशकालिक कार्यरत व्यक्ति, तथा पेशेवर संगीतकार—जिनमें ऑल इंडिया रेडियो के ह्यएह्व ग्रेड कलाकार भी शामिल हैं—इस कार्यक्रम के लिए विचार योग्य नहीं होंगे। केवल भारतीय नागरिक ही आवेदन कर सकते हैं, और 20 दिसंबर 2025 की अंतिम तिथि के बाद प्राप्त होने वाले आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

एनसीपीए चयन समिति सभी आवेदनों की समीक्षा करेगी, और उसका निर्णय अंतिम होगा।

कलर्स के 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' से ईशा मालवीय ने कहा— 'मेरा सबसे बड़ा डर यह है कि दुनिया को पता चल जाएगा कि मुझे पानी तक उबालना नहीं आता'

शुरूआती एपिसोड्स में अपनी ह्यएक नंबरह्न एनर्जी से सबका दिल जीतने के बाद, ईशा मालवीय कलर्स के ह्यलाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट सीजन 3ह्न में टीम छुरी की सबसे चहेती और आकर्षक शोस्टॉपर बनकर उभरी हैं। जहां किचन में हर तरफ अफरा-तफरी मची रहती है—कभी पार्टनर्स टास्क के बीच में शरारती प्लान बनाते हैं, कभी जरूरी सामग्री गायब हो जाती है और आखिरी पल में बचाव आम बात हो जाती है—वहीं ईशा ने इस पूरे हंगामे के बीच अपनी अलग पहचान बना ली है। एल्विश यादव के कुकिंग गेम की बराबरी करना हो या टीम को अपनी सहज प्रतिक्रियाओं से संभालना, लाफ्टर शेफ की इस सिग्नेचर उथल-पुथल के बीच ईशा की नैचरल सहजता उन्हें दर्शकों की फेवरेट बना चुकी है।

1. इस सीजन में कांटाझछुरी की जोरदार टक्कर है और यह आपकी लाफ्टर शेफ्स किचन में पहली एंट्री है। अब तक का अनुभव कैसा रहा?

अ. इस किचन में कदम रखना ऐसा लगा जैसे किसी बहुत ही एनर्जेटिक ग्रुप प्रोजेक्ट के बीच आ गई हूं, जहां सबको पहले से शॉर्टकट्स पता हैं। जैसे ही ह्यएक्शनह्न कहा जाता है, दोनों टीमें पूरी तरह फोकस में आ जाती हैं। टीम कांटा रफ्तार बढ़ाने में लग जाती है, टीम छुरी एक कदम आगे रहने की कोशिश करती है, और इसी बीच कोई न कोई दूसरी टीम का ध्यान भटकाने की प्लानिंग कर रहा होता है। मुझे उम्मीद नहीं थी कि मुकाबला इतना तीखा और जोशीला होगा। यहां अपनी डिश के साथ-साथ सामने वाले काउंटर पर भी नजर रखनी पड़ती है। मुझे अच्छा यह लगता है कि हर वक्त कुछ न कुछ मजाक, कोई चैलेंज या ऐसा पल होता है जो आपको यह भूलने नहीं देता कि आप नए हैं। मुझे यहां बहुत अपनापन और स्वागत महसूस हुआ।

2. इस सीजन में आपकी जोड़ी एल्विश के साथ है, जो पिछले साल के विनर भी रहे हैं। यह पार्टनरशिप कैसी चल रही है और क्या इससे किचन में आप पर अतिरिक्त दबाव आता है?

अ. एल्विश के साथ कुकिंग करना सच में सुकून और अराजकता का अजीब सा मेल है। वह किचन में शांत आत्मविश्वास के साथ आते हैं, जैसे उनके दिमाग में पूरी डिश पहले से बनी हुई हो। वहीं मैं यह समझने में लगी रहती हूं कि प्लान आखिर है क्या। मैं यह नहीं कहूंगी कि दबाव नहीं होता—वह विनर रह चुके हैं, लोग उनसे उम्मीदें रखते हैं और कहीं न कहीं आप नहीं चाहतीं कि आपके कारण मोमेंटम टूटे। लेकिन एल्विश ने कभी ऐसा महसूस नहीं होने दिया कि मैं उनसे पीछे हूं। उनमें एक ऐसा धैर्य है, जो आमतौर पर लोग नहीं देख पाते। वक्त के साथ हमने एक तालमेल बना लिया है, जहां वह डिश को लीड करते हैं और मैं फ्लो को सपोर्ट करती हूं, उसे बिगाड़ती नहीं। हमारी पार्टनरशिप हर कुकिंग बैटल के नतीजों में दिखती है।

3. आप, अभिषेक और समर्थ—तीनों इस सीजन में एक ही किचन शेयर कर रहे हैं, जबकि पहले बहुत कुछ हो चुका है। अब माहौल कैसा है?

अ. ईमानदारी से कहूं तो अब सब कुछ बिल्कुल सामान्य है। मैं हालात से बचकर भागने वालों में से नहीं हूं, और प्रोफेशनल तौर पर आगे बढ़ना मैंने अभिषेक के साथ ह्यपति पत्नी और पंगाह्न करते वक्त ही शुरू कर दिया था। इसलिए जब ह्यलाफ्टर शेफ्सह्न आया, तो यह किसी के लिए भी नया या असहज नहीं था। आखिरकार हम कलाकार हैं—जो भी भावनाएं पहले रही हों, उन्हें पीछे छोड़कर काम पर फोकस करना सीखना पड़ता है। लोगों का मनोरंजन करना मेरी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है, जो मेरे अतीत की किसी भी बात से कहीं ज्यादा अहम है। मुझे पता था कि हम तीनों एक ही जगह होंगे और मैं इसके लिए पूरी तरह तैयार थी। और जब आप इस किचन में कदम रखते हैं, तो बाहर की किसी भी बात पर सोचने का वक्त ही नहीं मिलता। यहां की रफ्तार और एनर्जी ऐसा मौका ही नहीं देती। आप एक-दूसरे की मदद करते हैं, छोटी-छोटी बातों पर हंसते हैं और बस वही करते हैं जो जरूरी होता है। शायद यही वजह है कि यह शो इस वक्त नंबर 1 नॉन-फिक्शन शो बन गया है—क्योंकि इस पूरे हंगामे में भी हमारा फोकस सिर्फ अपना बेस्ट देने पर होता है।

4. फिलहाल कुकिंग के मामले में आप खुद को कहां खड़ा पाती हैं—अब भी कन्फ्यूज हैं या अपनी लय पकड़ रही हैं?

अ. अगर सच कहूं, तो मैं अब भी सीखने की प्रक्रिया में ही हूं। मेरा किचन में योगदान पहले चाय बनाने तक सीमित था, और उसमें भी घरवाले कहते थे कि बेहतर है मैं न ही बनाऊं। ऐसे में पूरे कुकिंग सेटअप में आना किसी और ही दुनिया में कदम रखने जैसा था। मेरा सबसे बड़ा डर यही है कि दुनिया को पता चल जाएगा कि मुझे पानी तक उबालना नहीं आता।

कथावाचक अनिरुद्राचार्य की मीडिया पर की गई अभद्र टिप्पणी से पत्रकारों में आक्रोश : पत्रकारों ने नारेबाजी करते हुए डीएम को सौंपा ज्ञापन

मथुरा (जीएनएस)। पिछले दिनों कथावाचक अनिरुद्धाचार्य द्वारा सार्वजनिक मंच से कथावाचन के दौरान मीडिया एवं पत्रकारों के लिए की गई अभद्र एवं अपमानजनक तथा अमर्यादित टिप्पणी को लेकर पत्रकार जगत में गहरा आक्रोश व्याप्त हो गया है। कथावाचक द्वारा मीडिया को (मंथरा) एवं (धृतराष्ट्र) जैसे शब्दों से संबोधित करना सम्पूर्ण मीडिया जगत का घोर अपमान है, जिसे किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता है। इसे लेकर गुरूवार सुबह डीएम कार्यालय पर उ.प्र. श्रमजीवी पत्रकार यूनियन तथा वृंदावन मीडिया क्लब के संयुक्त तत्वावधान में जनपद के सैकड़ों पत्रकारों ने जुलूस निकालते हुए हाथों में तख्ती लेकर "अनिरुद्राचार्य मुदार्बाद", "पत्रकार एकता जिंदाबाद" के जोशीले नारों के साथ कथावाचक अनिरुद्राचार्य के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम के सौंपते हुआ पूरे प्रकरण से अवगत कराया तथा दोषी के खिलाफ उचित एवं सख्त कार्रवाई की मांग की गई है, जिससे कि भविष्य में इस तरह की अमर्यादित बयानबाजी की पुनरावृत्ति न हो सके। इस संबंध में उ.प्र. श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के जिलाध्यक्ष नरेंद्र भारद्वाज ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चैथा स्तंभ है और उसकी भूमिका पर इस प्रकार की टिप्पणी न केवल मयार्दा के विरुद्ध है, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों का भी अपमान है। उन्होंने कहा कि अगर अनिरुद्राचार्य ने मांफी नहीं मांगी तो पूरे प्रदेश में आंदोलन किया जाएगा। वहीं वृंदावन मीडिया क्लब के अध्यक्ष प्रमेंद्र अस्थाना ने कहा कि अनिरुद्राचार्य के बेतुके बयान से पत्रकारों की भावनाएं आहत हुई हैं जो कि असहनीय हैं। इस बीच पत्रकार समाज ने स्पष्ट किया कि पत्रकारिता की गरिमा और सम्मान से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा, इसी के साथ प्रशासन से अपेक्षा है कि इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करे। इस दौरान डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता किसी को भी अभ्रदता करने की इजाजत नहीं देती है। उन्होंने कहा कि ज्ञापन पर सहानुभूति विचार करके आगे कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर ज्ञापन देने वालो में प्रमुख रूप से पत्रकार नरेन्द्र भारद्वाज, पवन नवरत्न, अजय शर्मा, किशन चतुर्वेदी, विनीत मिश्र, डा. विजय विद्यार्थी, दिलीप चतुर्वेदी, नितिन गौतम, उमर कुरैशी, अनुपम आचार्य, मनमोहन पारीक, मधुसूदन शर्मा, पवन गौतम, प्रमेंद्र अस्थाना, मोहनश्याम शर्मा, विपिन पाराशर, मनमोहन गौड़, परवेज अहमद, योगेश भारद्वाज, रवि चौधरी, मोहनश्याम रावत, सुरेश सैनी, मातुल शर्मा, रवि यादव, सतीश अंशुमन, शिवांगी चौधरी, मीरा शर्मा, गिरीश कुमार, प्रवेश चतुर्वेदी, दिनेश आचार्य, रमेश चंद्र, लोकेश चैधरी, प्रकाश सैनी, चंद्रमोहन दीक्षित, रहीश कुरैशी, गजेन्द्र चौधरी, विपिन सारस्वत, गिरधर चौधरी, महेश कुमार, सुभाष सैनी, गोपाल चतुर्वेदी, दीपक सारस्वत, बीएल पांडेय, गौरव शर्मा, मोहन मीणा, सुमित गोस्वामी, गौरव शर्मा, आबिद, श्याम शर्मा, निर्मल राजपूत, प्रतीक चतुर्वेदी और मंत्रवीर चौधरी समेत सैकड़ों पत्रकार मौजूद रहे।

राया पुलिस ने दबोचे दो तस्कर : भारी मात्रा में गांजा बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना राया क्षेत्र स्थित अलीगढ़ से पुलिस ने दो मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए तस्करों के कब्जे से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ है। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी राया रविभूषण शर्मा और एसआई रविन्द्र बाबू पुलिस टीम के साथ संदिग्धों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि बिचपुरी पुलिस चौकी से आगे अलीगढ़ रोड़ पर निमार्णाधीन मैरिज होम के खाली प्लॉट में दो मादक पदार्थ तस्कर खड़े हुए हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी रविभूषण शर्मा और एसआई रविन्द्र बाबू पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखते ही वहां खड़े तस्कर भागने लगे। पुलिस टीम ने भागने का प्रयास कर रहे मादक पदार्थ तस्कर सागर पुत्र राजेश निवासी गांव भूड़री थाना राया और वीरेन्द्र पुत्र कमल सिंह निवासी गांव जैत थाना जैंत को घेरकर पकड़ लिया। पुलिस ने पकड़े गए तस्करों की तलाशी ली तो उनके पास से 2 किलो 8 सौ ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।